x-súltet jam Angé-li-ca turba cœ-ló-rum: exsúltent di-ví-na mysté-ri- a: et pro tanti Re-gis victó-ri- a tuba ínso-net sa-lu-tá- ris. Gáude- at et tellus tantis irra-di- á-ta fulgó-ri-bus: et æ-térni Re-gis splendó-re illustrá-ta, to-tí- us orbis se sénti- at ami-sísse ca-lí-gi- nem. Læ-té-tur et ma-ter Ecclé-si- a, tanti lúmi-nis adorná-ta fulgó-ri-bus: et magnis popu-ló-rum vó-ci-bus hæc aula re-súl- tet. Quaprópter astántes vos, fratres ca-ríssimi, ad tam mi-ram hu-jus sancti lúmi-nis cla-ri-tá-tem, una me-cum, quæso, De-i omni-po-téntis mi-se-ri-córdi- am invo-cá- te. Ut, qui me non me- is mé-ri-tis intra Le-vi-tá-rum núme-rum digna-tus est aggregá-re: lúmi-nis su- i cla-ri-tá-tem infúndens, Cé-re- i hu-ius laudem implé-re perfí-ci- at. Per Dominum nostrum Je-sum Christum, Fí-li-um su-um: qui cum e-o vi-vit et regnat in uni-tá-te Spí-ri-tus Sancti De-us: Per omni- a sæcu-la sæcu-ló-rum. R. Amen. V. Dóminus vo-bíscum. R. Et cum Spí-ri-tu tu-o. V. Sursum corda. R. ********** Habémus ad Dóminum. V. Grá-ti- as agámus Dómino De-o nostro. R. Dignum et justum est. Ve-re dignum et justum est A A A A A A A A A A A A invi-si-bi-lem De-um Patrem omni-po-téntem Fi-li- úmque [- - - - - | - - - - - - - | - - - | - - | - - | - - | - - | - - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - e-jus uni-gé-ni-tum, Dominum nostrum Je-sum Christum, to-to cordis ac mentis af-féctu et vo-cis mi-nisté-ri- o personá-re. Qui pro no-bis æ-térno Patri Adæ dé-bi-tum solvit: et vé-te-ris pi- á-cu-li cau-ti- ónem pi- o cru-ó-re de-térsit. Hæc sunt e-nim festa paschá-li- a, in qui-bus ve-rus il-le Agnus oc-cí-di-tur, cu-jus sángui-ne postes fi-de-li-um consecrántur. Hæc nox est, in qua primum patres no-stros, fí-li- os Isra-ël edúctos de Ægýpto, Ma- re Rubrum sicco vestí-gi- o transi-re fe-císti. Hæc í-gi-tur nox est, quæ pecca-tó-rum ténebras co-lúmnæ illumi-na-ti-ó-ne pur-gá-vit. Hæc nox est, quæ hó-di- e per uni-vérsum mundum * * * * * <u>*</u>. | * * * * * * | in Christo cre-déntes, a ví-ti- is sæcu-li et ca-lí-gi-ne pecca-tó-rum segre-gá-tos, red- dit grá-ti-æ, só-ci- at sanctitá-ti. Hæc nox est, in qua, destrúctis víncu-lis mortis, * * * * * * * Christus ab ínfe-ris victor ascéndit. Ni-hil e-nim no-bis na-sci pró-fu- it, ni-si ré-di-mi pro-fu- ísset. O mi-ra circa nos tu-æ pi- e-tá-tis digná-ti- o! O inæstimá-bi-lis di-lécti- o ca-ri-tá-tis: ut servum re-dime-res, Fí-li- um tra-di-dísti! A A A A A A A A A A O certe ne-cessá-ri- um Adæ peccá-tum, quod Christi mor-te de-lé-tum est! O fe-lix culpa, quæ ta-lem ac tantum mé-ru- it habé-re Redemptó-rem! O ve-re be- á- ta nox, A Pa 3 A· A quæ so-la mé-ru- it sci-re tempus et ho-ram, in qua Christus ab infe-ris re-surré-xit! Hæc nox est, de qua scriptum est: Et nox si-cut di- es illumi-ná-bi-tur: Et nox illumi-ná-ti- o me-a in de-lí-ci- is me- is. Hu-jus í-gi-tur sancti-fi-cá-ti-o noctis fu- gat scé-le-ra, culpas lavat: et reddit inno-cénti- am lapsis et mæstis læ-tí-ti- am. Fu- gat ó-di- a, concórdi- am pa-rat et curvat impé-ri- a. In hu-jus í-gitur noctis grá-ti- a, súsci-pe, sancte Pa-ter, incénsi hu-jus sacri-fí-ci- um vesper-tínum: quod ti-bi in hac Cé-re- i obla-ti-óne sollémni, per mi-nistró-rum manus de opé-ri-bus apum, sacro sancta reddit Ecclé-si- a. Sed jam co-lúm-næ hu-jus præconi- a nó-vimus, quam in honó-rem De- i rú-ti-lans ignis accéndit. Qui li-cet sit di-ví-sus in partes, A A PA 3 A 3 A mu-tu-á-ti tamen lúmi-nis detriménta non no-vit. A-li-tur e-nim liquánti-bus ce-ris, quas in substánti- am pre-ti- ósæ hu-jus lámpa-dis, a-pis ma-ter edú-xit. O ve-re be-á-ta nox, quæ exspo-li- á-vit Ægýpti- os, di-tá-vit Hebræ-os! Nox, in qua terré-nis cœ-lésti- a, humá-nis di-ví-na jungúntur. Orámus ergo te, Dómi-ne: ut Cé-re-us iste in honó-rem tu- i nómi-nis consecrá-tus, ad noctis hu-jus ca-lí-gi-nem 3 A 3 A A destru- éndam, inde-fí-ci- ens persevé-ret. Et in odó-rem su-a-vi-tá-tis accéptus, supérnis lumi-ná-ri-bus misce-á-tur. Flammas e-jus lú-ci-fer ma-tu-tí-nus invé-ni- at. Il-le, in-quam, lú-ci-fer, qui nescit occá-sum. Il-le, qui regréssus ab ínfe-ris, humáno géne-ri se-ré-nus illú-xit. Pre-cámur ergo te, Dómi-ne: ut nos fámu-los tu-os, omnémque cle-rum, et devo-tíssimum pópu-lum: una cum be-a-tíssimo Papa nostro Francisco, et Antísti-te nostro Jo-sepho, qui- é-te témpo-rum concéssa, in his pascha-li-bus gáudi- is, assí-du-a pro-tecti-ó-ne rége-re, guberná-re et conservá-re di-

gne-ris. Réspi-ce é-ti- am e- os qui nos in po-testá-te regunt,

et, i-neffá-bi-li pi- e-tá-tis et mi-se-ri-córdi-æ tu-æ múne-

re, tranquíllum perpé-tu-æ pa-cis accómmoda: et cœ-léstem

victó-ri- am cum omni pó-pu-lo su-o. Per e- úndem Dó-

minum nostrum Je-sum Christum, Fí-li-um tu-um: Qui te-

cum vi-vit et regnat in uni-tá-te Spí-ri-tus Sancti De-us:

per ómni- a sæcu-la sæcu-ló-rum. R. Amen.
